बाबा से अष्ट सम्बन्ध और अष्ट शक्तियां अनुभव करो तो भक्तों के इष्ट बनेंगे।

सम्बन्ध	समय	प्राप्तियाँ
1) माता	स्नान करते समय, खाना खाते समय	सतोप्रधानता आयेगी,
2) पिता	अमृतवेले पॉवरफुल याद करने समय	बाप समान शक्तिशाली अनुभव होगा,
3) बन्धु	सारे दिन में	कोई कमी महसूस नहीं होगी।
4) शिक्षक	मुरली सुनते समय,	पढ़ाई में नम्बरवन पास विथ ऑनर होंगे
5) सतगुरु	श्रीमत के प्रति, सोते समय	वरदानों से भरपुर अनुभव करेंगे,
6) सखा	सारे दिन में कर्म करते समय	अलौकिक खुशी का अनुभव करेंगे,
7) स्वामी		
8) बच्चा		

सम्बन्धों के आधार से विशेष स्लोगन्स की धारणायें –

बाप के सम्बन्ध में – ''फरमानवरदार''
शिक्षक के सम्बन्ध में – ''ईमानदार''
गुरु के सम्बन्ध में – ''आज्ञाकारी''
साजन के सम्बन्ध में – ''वफादार''

शक्तियाँ –

1) सहन करने की शक्ति
2) समाने की शक्ति
3) सहयोग करने की शक्ति
4) सामना करने की शक्ति
5) समेटने की शक्ति
6) विस्तार को संकीर्ण करने की शक्ति
7) परखने की शक्ति
8) निर्णय करने की शक्ति

* जैसा समय वैसा स्व-स्वरूप होना चाहिए। प्रात: से रात्रि तक हर समय की स्मृति बाबा ने बताई हुई है।

मीठे-मीठे प्यारे बाबा के साथ भाई का सम्बन्ध का अनुभव करना

मेरे मीठे–मीठे, प्यारे–प्यारे शिवबाबा आप मेरे भाई भी हो तो बहन भी हो। बाबा आपसे तो मुझे सर्व सम्बन्धों का अनुभव होता है। कितना निराला अनुभव है आपके साथ का। बाबा! भाई बनकर आपने हर बात में मुझे कितना सहयोग दिया और अभी भी आपका सहयोग रूपी हाथ सदा मेरे सिर पर छत्र–छाया बन कर रहता है।

बाबा, सचमुच वास्तव में भाई–भाई का सम्बन्ध क्या होता है अभी अनुभव होता है। मैं तो जानता ही नहीं था कि हम सभी आत्माएं आपस में भाई–भाई हैं आपके बच्चे हैं, एक ही पिता की सन्तान है। परमात्म सन्तान है, बाबा मैं तो अपने को शरीर ही समझकर बैठा था। बस नारा लगाकर कहते रहते हैं हिन्दू मुस्लिम भाई–भाई लेकिन जानते कुछ भी नहीं। मैं भी तो ऐसा ही था बिल्कुल ही 'बूद्धू' बन गया था, पत्थरबुद्धि बन गया, कितना देहाभिमान था मेरे में भी।
ओ मेरे सैक्रीन बाबा आपने भाईयों जैसा प्यार लुटाकर मेरी जिन्दगी में सदा के लिए खुशियाँ भर दी। कितनी खुशनसीब आत्मा हूँ मैं जो स्वयं निराकार शिवबाबा मेरा भाई। बहन बन कर मुझे रूहानी स्नेह का सदा ही अनुभव कराते रहते हैं। बाबा! दुनिया में तो सब भाई–भाई आपस में लड़ते–झगड़ते रहते हैं, कोई जमीन जायदाद के लिए तो एक दूसरे की जान भी निकाल देते हैं। विनाशी सम्पत्ति के पीछे बाप को भी ठिकाने लगा देते हैं। कितने हिंसक बुद्धि बन चुके हैं इस कलियुगी दुःखधाम के मनुष्य।

सच में बाबा आपने भाई बन कर कितना प्यार लुटाया तभी तो उन देहधारी भाईयों की याद नहीं आती है। बस, अब तो आपने हमें जो समझ दी है कि हम सब आत्मायें भाई–भाई हैं। आपके लाडले बच्चे हैं इस स्मृति से सब आत्माओं से अब रूहानी प्यार की वृत्ति रहती है अहो मेरे मीठे, प्यारे बाबा! आपका यह अविनाशी परमात्म प्यार सदा ही लवलीन रखता है बस बाबा! अब तो दिल में यही रहता है कि आपके प्यार की छाप सदा लगी रहे और सर्व आत्माओं को इस सूरत से आपके प्यार का अनुभव होता रहे। बाबा! सच में यह दिल अब गद् गद् हो उठा है। बाबा अब मैं सबको आत्मिक प्यार की दृष्टि से देखूँगा, सबसे आत्मिक व्यवहार करुँगा, सबको सुख दूँगा।

बाप को बच्चा बनाकर सम्बन्ध का अनुभव करना

मीठे बाबा मेरे सर्व सम्बन्ध तो आपसे ही हैं ना! आप मेरा बच्चा भी हो। कमाल है आपकी बाबा। बच्चा बनकर आप हमें कितना सुख देते हो। बच्चा बनकर हमारी कितनी सेवा करते हो जो दुनिया में कोई भी बच्चा बाप की इतनी सेवा कर न सके। (बाबा) आप कितने सुन्दर-सुन्दर, गोल-मटोल, लाल-लाल, चकमक चिकने-चुपड़े हो, कितने आकर्षणमूर्त हो, ऐसा सुन्दर मिचनु तो कोई हो न सके। पुरानी दुनिया में तो सब बच्चे बिच्छु-टिंडन मुआफिक है कितना दु:ख देते हैं। कई तो दिवाला ही निकाल देते हैं बाप का नाम बदनाम भी करते हैं। मार भी देते हैं तो मुझे ऐसा बच्चा तो चाहिए ही नहीं ना। मैं क्यों मुसीबतों में फंसू। आप जो इतने सुन्दर-सुन्दर, लाल-लाल मिल गये हो। तो हे मेरे लाल! (बच्चे) अब तो पुरानी दुनिया में मेरे ख्याल भी नहीं जाते हैं कि मुझे बच्चा चाहिए। और मुझे ख्याल आवे भी क्यों? आप जो लाड़ले, मीठे-मीठे, सिकीलधे, आँखों के तारे, राजदुलारे, प्यारे-प्यारे मिल गये हो। दुनिया में तो सब बच्चे रोते-चिल्लाते, पैं-पैं करते रहते हैं। और आप तो सदा ही मुस्कराते रहते हो, हँसते-हँसाते रहते हो, तो आप को देखते ही मन ही मन में अथाह सुख की प्राप्ति होती है।

कमाल है मीठे बाबा आपकी, बच्चा बनकर भी आप हमसे कुछ नहीं लेते हो। फिर भी (बाबा) यह जो पुराना तन-मन-धन है यह सब आपका है आप ही मेरे वारिस हो। अधिकारी हो। आप मुझ पर पूरा-पूरा अधिकार रखना। बाबा! बच्चा बनकर आप कितना ऊँच-ते-ऊँच कार्य करते हो। सारे विश्व को ही नया बना देते हैं। हे मेरे नयनों के नूर बस, दिल यही करता है कि आपको निहारता ही रहूँ। बस, देखता ही रहूँ, ओ मेरे प्यारे लाडले अब आ जाओ जरा लाड़-प्यार, खेल-पाल तो कर लें। बाबा आप बच्चा बनकर मेरे कन्धे पर बैठो ताकि सारी दुनिया देख सके कि बच्चा हो तो ऐसा (आप जैसा)।

सचमुच बाबा यह दिल गद्‌गद् हो उठा है, गर्व से मैं सबको बताऊँगा कि अगर सच्चा सुख प्राप्त करना है तो एक आपको ही बच्चा बना लें। बाबा आपको जब से अपना (वारिस) बच्चा बनाया है सच में तब से बहुत सुख भासता है। यह सुख की भासना देना तो सब आपका कमाल है ना।

बाबा बच्चा बन कर आप हमारी सब आशाओं को पूर्ण करते हो। जब भी बुलाते हैं तभी चले आते हो। कितने आज्ञाकारी हो। कमाल है, हर पल विश्व को नया बनाने की सेवा में बिज़ी रहते हो। हे गुणों के सागर बाबा कमाल है आपकी सर्व आत्माओं को पावन बना देते, प्रकृति को भी पवित्र बना देते हो। हे परम पवित्र मीठे, प्यारे शिवबाबा आप कितने निरंहकारी हो। इस पुरानी दुनिया में तो सब अहंकार के नशे में चूर है कोई भी हमारी बात सुनता ही नहीं था। सच में बाबा आपने पुरानी दुनिया के बिच्छू-टिंडन, झरमुई-झगमुई बच्चों से बचा लिया। आपने बच्चा बनकर हमें सब चिन्ताओं से छुड़ा दिया, मुक्त कर दिया, शान्तचित, एकाग्रचित, हर्षितचित बना दिया, कितना सुखमय, शान्तिमय जीवन बना दिया। सचमुच यह आनन्दमय जीवन कहाँ मिलेगा, ओ मेरे दिल के सहारे, आँखों के तारे, दु:ख हर्ता सुख कर्ता बाबा मैं तो धन्य-धन्य हो गया। यह दिल गा उठा है कि कभी भी हम आपसे जुदा होने का संकल्प तक भी नहीं करेंगे।

सखा के सम्बन्ध का अनुभव

बाबा आप मेरे सच्चे-सच्चे दोस्त भी हो। कदम-कदम पर साथ निभाते हो। ऐ मेरे प्रिय सखा आप तो मुझे सदा हर कर्म में मदद करने के लिये हाजिर हो जाते हो। कमाल है बाबा दोस्त आपकी। आप तो जब देखो तो मेरे सामने आ जाते हो। पुरानी दुनिया के दोस्त कितने स्वार्थी होते हैं कुसंग में डाल देते हैं। मतलब निकाल कर फिर किनारा कर लेते है और मुसीबत, दु:ख के समय भी मुख मोड़ लेते हैं। सभी स्वार्थी बन गये हैं।

कमाल है बाबा दोस्त आपकी हर कर्म में, सुख-दु:ख में आप पूरा साथ निभाते हो। सारे कर्म करके मुझे बिल्कुल हल्का रखते हो हर समय आपका अनुभव होता रहता है दोस्त। आप यहीं कहीं मेरे आस-पास घूमते रहते हो, नज़र भले नहीं आते परन्तु सखा जी! मुझे पता तो पड़ ही जाता है कि आप ही सारा खेल खेलकर अपने आप को छिपा लेते हो।

ऐ मेरे परमप्रिय सखा जी आप जैसा सखा कहीं नहीं मिलेगा। जो निस्वार्थ है और ही हमें हर समय आगे बढ़ाने की सेवा में लगे रहते हो। सच दोस्त जब से पुरानी दुनिया के दोस्तों से (स्वार्थी दोस्तों से) किनारा किया तब से मैं आपके संग के रंग में रंग गया हूँ अब जीने का असली मज़ा आ रहा है। कितना विचित्र संग है आपका, जो मुझे अपने संग द्वारा पत्थर बुद्धि से पारस बुद्धि बना दिया। कमाल है! बाबा दोस्त सदा मैं आपके संग में रहुँगा दुनिया को कहुँगा कि दोस्त हो तो आप जैसा। आप का नाम बाला करके ही रहुँगा।

बाबा! सच में आपने मेरा जीवन संगमयुगी बनाकर कितना खुश मौज से भरपूर कर दिया। आपके साथ का अनुभव कितना निराला है। कितना सुखद है। नहीं भूल पायेंगे बाबा यह पल। ऐसा साथ तो सतयुग में भी नहीं मिलेगा। बाबा! दोस्त बनकर आपने यह न्यारा और प्यारा जीवन बना दिया। दोस्त आपका हाथ और साथ कभी नहीं छोड़ूँगा, मुझे कितना सुधार दिया। कहाँ वो रौरव नर्क वाली जिन्दगी, कितना फंसा पड़ा था स्वार्थी दोस्तों के चंगुल में, बेड़ा ही गर्क कर दिया था, मैं भी तो बिल्कुल बेसमझ बन गया था। बेचारे वो भी तो माया के चंगुल में फंसे हैं बाबा उनको भी जरुर छुड़ाऊंगा माया से, जरुर उनका कल्याण करुंगा, आपसे कनेक्शन जुटाऊंगा। आपके महावाक्यों का प्रसाद जरुर बाटूँगा, सबको ज्ञान रत्नों का तोहफा दूँगा। बाबा! बस अब तो दिल यही गाता रहता है कि सदा आपकी छत्रछाया सदा साथ रहे, कभी भी यह हाथ और साथ न छूटे।

कर्मों की गुह्यगति के ज्ञाता बाबा, आपकी दोस्ती ने तो मेरा जीवन ही निर्विघ्न बना दिया आपकी मदद से मेरे सारे विघ्न दूर हो गये, किन शब्दों में आपका आभार प्रकट करुँ, कदम-कदम पर आपका साथ और सफलता की प्राप्ति हर कर्म में अनुभव करता हूँ। बिन्दू रूप बाबा, आपने खौफनाक दुश्मन रावण से छुडाकर मुझे बचा लिया, अपना मित्र बना लिया। आपसे की दोस्ती ने मेरे जीवन के सारे दु:ख दर्द दूर कर दिये। कितने मीठे हो बाबा आप। रहमदिल हो। आपके प्यार की छाप जो दिल पर लगी है वह कभी नहीं मिटेगी। हर दम आप मेरी नजरों में रहोगे।

हे मेरे सच्चे-सच्चे दोस्त कितनी लाज़वाब है आपकी दोस्ती, हर पल लाइट-माइट का अनुभव कराती है, समर्थ स्थिति, लवलीन स्थिति का अनुभव होता है कितनी विचित्र दोस्ती है यह। अहा! मजा आ गया, आनन्द आ गया जीवन जीने का। बस, दिल यही कहता है कि संगमयुग में सदा ही यह दोस्ती कायम रहे अटूट रहे।

बाबा को अपना स्वामी (साजन/सजनी)अनुभव करने के लिये

रूह–रूहान

बाबा! आप मेरे साजन भी हो, मेरे प्रियतम हो। मैं आपकी सजनी हूँ, आपकी प्रियतमा हूँ। हे मेरे प्रियतम मैं तो अब आपके बिना एक पल भी नहीं रह सकती हूँ। हे मेरे साजन आप मुझे 5000 वर्षों के बाद मिले हो। तो मैं आपको कैसे छोड़ सकती हूँ। आप ही मेरे संसार हो, आप ही मेरे लिये सबकुछ हो। बस, अब मुझे आपसे पूरा–पूरा सुकून मिला है, मिल रहा है। मैं अब आपसे कभी भी जुदा नहीं होऊँगी।

हे मेरे स्वामी मेरा सच्चा–सच्चा लव बस, एक आपसे ही है मैं आपके आगे पूरी तरह सरेण्डर हूँ मेरे स्वामी बस और बस अब मैं सिर्फ आपकी ही हूँ। बाबा आप कितने प्यारे–मीठे साजन हो आप मुझ सजनी का कितना ख्याल रखते हो, रोज श्रृंगार करते हो। सदा साथ रहते हो कभी छोड़ कर नहीं जाते हो। बाबा! हे मेरे स्वामी आपका भरपूर सुख मुझे मिलता है आनन्द का अनुभव होता है। कभी भी बाहर की इस छीः छीः पुरानी दुनिया में ख्याल नहीं जाता कि शादी करुँ। और करुँ भी क्यों, इस पुरानी किचड़पट्टी की दुनिया में तो कितना दुःख देते हैं तलाक दे देते हैं। घर से बाहर निकाल देते हैं कुछ भी नहीं समझते।

बाबा, आप ही मेरे सच्चे–सच्चे माशूक हो मैं आपका आशिक हूँ, आप लैला हो, मैं मजनूँ हूँ आप ही मेरी हीर हो मैं रांझा हूँ। आप शिव हो, मैं पार्वती हूँ। बाबा, आप कितने हसीन सुन्दर साजन हो। अहो! सच में कितनी खुशनसीब सजनी हूँ मैं जिसको सारा जग याद करता है वह मेरा साजन है मेरे सामने है, मेरे साथ है कम्बाइन्ड है। वाह रे मैं! मेरे जैसी सजनी को कितना सुन्दर सलोना साजन मिला। जिसकी एक झलक देखने के लिये सारी दुनिया तरस रही है वही साजन तो मेरे साथ है। उसी साजन से तो मैं रुह–रुहान कर रही हूँ, कितना अनोखा निराकार साजन है, जो किसी को नजर नहीं आता लेकिन मुझे ही नजर आ रहा है। मेरी आँखों में है सच में ऐसा साजन तो सारे कल्प में संगमयुग के सिवाए कहाँ मिलेगा। बाबा साजन कितना प्यार लुटा रहा है, मेरी दृष्टि, वृत्ति, कृति सबको शुद्ध, शान्त, शीतल, पवित्र बना रहा है। कितने सुखद हैं यह क्षण! बाबा साजन बन कर आपने मुझ सजनी को अपने ऊपर फिदा कर लिया, कितने आकर्षणमूर्त साजन हो तो सजनी भी हो, बहुरूपी बन आप तो सर्व सम्बन्धों का रस देते हो, वाह बाबा! वाह रे मैं! वाह यह मीठा कल्याणकारी ड्रामा!

बाबा! मैं आत्मा सजनी आपकी सच्ची–सच्ची सीता बन कर रहुँगी। सभी मर्यादाओं का पालन करुँगी, एकव्रता होकर रहुँगी। आप जैसे मुझे रखेंगे वैसे ही रहुँगी जैसे आप कहेंगे वैसे करुँगी। इस छोटे से संगम पर तो ही मिले हो मेरे स्वामी। मैं आपको अपने रोम–रोम में बसाकर रखुँगी। आपका हाथ और साथ कभी नहीं छोडूँगी।

हे मेरे प्रितम! प्रितम आपको मैं अपनी आँखों में बसाकर रखुँगी। सोचुँगी तो आपके लिये। बोलूँगी तो आप ही के साथ और सुनुँगी सुनाऊँगी तो भी आपके लिये ही, सदा आपके साथ रहुँगी। हर–पल हर–क्षण आप का साथ निभाऊँगी....।

सतगुरु के सम्बन्ध का अनुभव करने के लिये
रूह-रूहान

बाबा! आप मेरे सतगुरु भी हो, आपने मुझे आकर गति-सद्गति, मुक्ति-जीवनमुक्ति का रास्ता बता दिया। देहधारी गुरुओं ने तो कितना भटका दिया था। बस, माथा टिप्पड़ घिसाते रहते थे कितना ठगते थे। बस, अन्धश्रद्धा में ही डूबोते रहते थे। कैसे भटक रही है दुनिया गुरुओं के चक्कर में। बेचारे कुछ नहीं जानते।

बाबा! आपने हमें क्या से क्या बना दिया। सच में बाबा दिल में अपार खुशी का अनुभव होता है कि मुझे तो मेरा सच्चा-सच्चा सतगुरु मिल गया। और कुछ नहीं चाहिए। कमाल है बाबा मैं तो घर का रास्ता ही भूल गया था। आपने आकर मुझे घर का रास्ता बता दिया। देहधारी गुरु तो रास्ता बता न सकें वह तो और ही भटकाते रहते हैं। कितनी यात्रायें कराते धक्के खिलाते रहते हैं। कितना खर्चा कराते रहते हैं। हे मेरे सतगुरु बाबा! आपने जो रुहानी यात्रा सिखाई उसमें तो बहुत ही मजा आता है और वह भी बिना खर्चे, बिना पासपोर्ट के तीनों लोकों की यात्रा करवा देते हो। हे मेरे सतगुरु बाबा कमाल है आपकी। कितनी मजेदार है यह रुहानी ड्रील।

बाबा आपने सतगुरु बन मुझे वरदानों से मालामाल कर दिया। मास्टर वरदाता बना दिया। मेरी बुद्धि रूपी झोली वरदानों से भरपूर कर दी। रोज अमृतवेले आप कितने वरदान दे देते हो। वन्डर हैं बाबा रोज हमें सैर भी कराते हो। अमृतवेले कितनी शक्तिशाली पालना भी देते हो। मैंने तो स्वप्न में भी नहीं सोचा था कि मेरा जीवन खुशियों से भर जायेगा।

ओ मेरे मीठे बाबा आप कितना प्यार से हमें मीठे-मीठे मन्त्र देते रहते हो। मुझ आत्मा को शक्तिशाली बनाते हो, पवित्र बना कर अपने साथ ले जाते हो। देहधारी गुरु तो उल्टे-सीधे मन्त्र देकर डराते रहते हैं। बिचारे वो कुछ नहीं जानते कि गुरुओं के गुरु सतगुरु आप ही हो। कमाल है सतगुरु बाबा आपकी, कमाल है, कमाल है ऐसा सतगुरु तो कोई हो न सके जो सर्व आत्माओं को अपने साथ ले जायें, घर का रास्ता बताये सबको मुक्ति-जीवनमुक्ति दे। प्यारा बाबा, भाग्यविधाता बाबा, आपने तो मेरे भाग्य के भण्डारे खोल दिये। मेरे तो कभी ख्याल में भी नहीं था कि मेरा इतना ऊंचा भाग्य है, जो स्वयं आपने ही आकर बताया। कितने अखुट खजानों के भण्डारों से मालामाल कर दिया। बाबा आप तो सब पापों से मुक्त कर देते हो। वाह! कितना श्रेष्ठ मार्ग बता दिया। इस ज्ञान योग के मार्ग पर चलना सिखा दिया, दुनियावाी गुरु तो उल्टी-सीधी मत दें कितनी उलझनों में डाल देते हैं बिल्कुल ही मूँझा देते हैं। उल्टे सीधे हठयोग सिखाकर तो मलियामेट ही कर देते हैं, बस ठगते रहते हैं। बाबा! सतगुरु बाबा, कमाल है सचमुच आपकी, अब मेरा जीवन धन्य-धन्य कर दिया आपने। भाग्य का सितारा चमका दिया, सफलता का सितारा, विजयी रत्न, नयनों का नूर, मास्टर सर्वशक्तिवान, मास्टर ज्ञानसूर्य, विश्वकल्याणकारी... बना दिया। कितने बड़े बड़े टाइटल देकर आपने आप समान बनाने का रास्ता बता दिया। वे सब तो ठहरे झूठे, मान शान के टाइटलों वाले।

हे मेरे सतगुरु बाबा मैं आपकी श्रीमत पर कदम-कदम चलकर आपको पूरा-पूरा फॉलो करुँगा बाबा! सबको बताऊँगा कि सतगुरु एक ही है और वो है 'मेरा बाबा'... 'मीठा बाबा'।

मीठे बाबा के साथ टीचर के सम्बन्ध का अनुभव करने के लिये रूह-रूहान

बाबा सचमुच कमाल है आपकी। आप ही हमें टीचर बन कर मीठी-मीठी शिक्षायें देते हो। कितना ऊँच-ते-ऊँच ज्ञान देते हो। ऐसा ज्ञान तो कोई भी मनुष्य दे न सके। बाबा सच में ऐसा ज्ञान तो कभी सुना ही नहीं था। आपने तो हमें इतना ऊँचा ज्ञान सुनाकर हमारे कपाट ही खोल दिये। ज्ञान का तीसरा नेत्र दे दिया। कमाल है आपकी परमधाम से मुझे पढ़ाने आते हो। मेरे टीचर बाबा! इस पुरानी दुनिया में कितने-कितने बड़े बुद्धिमान भी हैं लेकिन सच्चा ज्ञान तो किसी के पास भी नहीं है। आप तो बुद्धिवानों की बुद्धिवान, महाबुद्धिवान हो आपने मुझे इतनी ऊँची श्रेष्ठ नालेज देकर बुद्धि को स्वच्छ कर दिया, ज्ञान-रत्नों से भरपूर कर दिया। दुनियावी टीचर तो विनाशी ज्ञान देते हैं सिर्फ एक जन्म के लिए और वो भी सच्चा-झूठा ज्ञान देते हैं। बाबा टीचर बन कर आप हमें कितने लाड़-प्यार से पढ़ाते हो। रोज-रोज मीठे-मीठे बच्चे, सिकीलधे बच्चे कहकर शिक्षायें देते हो। वह टीचर तो (पुरानी दुनिया वाले) बहुत मारते भी हैं, गाली भी देते हैं और ठीक से पढ़ाते भी नहीं है। कितने-कितने पैसे भी ले लेते हैं, कितने स्वार्थी टीचर बने पड़े हैं, बेचारे कुछ नहीं जानते।

अहो! बाबा, मीठे बाबा! आप ने टीचर बन कर हमें पढ़ा-पढ़ाकर धन्य-धन्य बना दिया। 21 जन्मों के लिये सदा सुख की गैरन्टी भी देते हो और फीस भी नहीं लेते हो। कमाल है आपकी सचमुच बाबा कमाल है, कमाल है। इतनी प्यारी नालेज देकर मुझे आपने सृष्टि के आदि-मध्य-अन्त का मास्टर नालेजफुल बना दिया मास्टर सर्व शक्तिवान त्रिलोकीनाथ, त्रिकालदर्शी बना दिया। कितना मजा आता है बाबा आपकी शिक्षायें सुनकर। मन मयुर नाच उठता है बाबा यह सब कमाल आपने टीचर बन कर ही तो की ना। कमाल है आपकी मुझे मनुष्य से देवता श्री लक्ष्मी, श्री नारायण बना देते हो। वन्डरफुल नालेज है आपकी बाबा।

अहो, मेरे मीठे सत् टीचर बाबा! मैं तो एकदम बन्दरबुद्धि बन गया था आप तो मुझे मन्दिर लायक बना रहे हो। नई-नई बातें सुनाते हो, सारे वर्ल्ड की हिस्ट्री जाग्राफी सुनाते हो। नया-नया ज्ञान सुनाकर सर्वगुण सम्पन्न, 16 कला सम्पूर्ण, सम्पूर्ण निर्विकारी, मर्यादा पुरुषोत्तम... बनाते हो। बाबा, कोई नहीं जानता कि हमें रोज परमधाम से आकर सुप्रीम रूह पढ़ाते हैं। बाबा, अब यह दिल गा उठा है पाना था सो पा लिया अब क्या बाकी रहा। अहो मैं कितना लकीएस्ट हूँ जो शिव बाबा के सामने बैठा हूँ । बाबा मुझे पढ़ा रहे हैं। भविष्य 21 जन्मों के लिए आपके सिवा तो और कोई शिक्षा दे न सके। इतनी श्रेष्ठ, सर्वोच्च नॉलेज कौन देगा आपके सिवाए बाबा! सच में इन प्रभु चिन्तन की शिक्षाओं से मन हल्का, शान्त, शीतल, संतुलित हो जाता है। बाबा, आपने तो इस पढ़ाई से जीवन की सारी उलझने ही खत्म कर दी, अब मेरे सारे संशय दूर हो गये, रावण की पुरानी दुनिया में तो कितना दम घुट रहा था, कदम-कदम पर चिन्ता, डर, दुःख के कांटे ही कांटे थे कितना दुःखी हो गया था। बाबा, आपकी शिक्षाओं ने तो जीवन ही बदल दिया, संवार दिया। अब जीवन जीने का कितना मजा आ रहा है। अहो! हम कितने सौभाग्यशाली है, वाह!....।

बाबा मै आपका पक्का-पक्का लाड़ला गॉडली स्टूडेन्ट बनकर रहूँगा। नम्बरवन स्टूडेन्ट बन कर रहूँगा। पढ़ाई में कभी नींद नहीं करुँगा, रोज मुरली पढूँगा, कभी भी मुरली मिस नहीं करुँगा। आप जैसा मास्टर नालेजफुल बन चलन और चेहरे से आपको प्रत्यक्ष करुँगा...।

बाबा से पिता के सम्बन्ध का अनुभव

मीठे बाबा! आप ही मेरे पिता हो, आपने मुझे करोड़ों में से आकर ढूँढा। मैं कितनी सौभाग्यशाली, पदमापदम भाग्यशाली आत्मा हूँ जो स्वयं आपने मुझे अपना बना कर अपने कन्धे पर बिठा लिया। अहो! बाबा, सचमुच आप कितने मीठे हो। मैं तो कहाँ-कहाँ भटक रहा था। जगह-जगह जाकर धक्के खाता रहता था। आपको तो जानता ही नहीं था। अनाथ बन गया था। बाबा आपने मुझे अपना बच्चा बनाकर सनाथ बना दिया, दिलखुश कर दिया।

हे मेरे परमपूज्य पिता ज आप कितने निरंहकारी हो जो आप बच्चों की सेवा में ही लगे रहते हो, अपने से भी ऊँचा बना देते हो, सारी विश्व की बादशाही देकर खुद परमधाम में बैठ जाते हो। अहो बाबा! पिता बन कर आपने हमें कितनी मुसीबतों से बचा लिया। हमारे ऊपर कितने दुःखों के पहाड़ गिरते रहते थे। कहाँ फंसे पड़े थे हम पुरानी दुनिया में, हमें तो विकारों ने ही जकड़ रखा था। बिल्कुल बेसमझ बन गया था। विकारी बन गया था।

बाबा! आप ही मेरे सच्चे-सच्चे पिता हो, आपने आकर हमें विकारों में जाने से बचा लिया। बाबा सच में अब हमें सुख की सांस मिली है। लौकिक पिता तो विकारों में धकेलते रहते हैं कुछ भी तरस नहीं करते।

हे मेरे रहमदिल पिता जी! आपने मुझ पर कितना रहम किया मेरी कोई कमजोरी नहीं देखी, सीधा ही अपना बना लिया। अपना बनाकर हमें 21 जन्मों के लिये स्वर्ग की बादशाही देते हो। बाबा किन शब्दों में आपका गुणगान करुँ, महिमा करुँ, क्या कहूँ, क्या न कहूँ आपने तो मुझे अपना वारिस बना लिया, अधिकारी बच्चा बना लिया। ऐसा प्यार कौन बाप करता है, बाबा! सच में मेरा रोम-रोम अब पुलकित हो उठा है, आनन्दित हो उठा है, गद्‌गद् हो रहा हूँ कि मुझे मेरे पिता जी कल्प के बाद मिल गये हैं। कितनी ठोकरें खाता था, सतयुग में भी बाबा आपका ऐसा प्यार कहाँ मिलेगा....? मीठे बाबा, आप कितने निरहंकारी हो, बच्चों को नमस्ते करते हो, रोज यादप्यार देते हो। मीठे-मीठे बच्चे कहते हो।

बाबा! आप सतयुग के अपार सुखों का वर्सा देते हो। बाबा सच में धन्य-धन्य हो गया मैं, सब झंझटों से छुड़ा दिया आपने सब दुःखों से लिब्रेट कर दिया। कितना ऊँचा जीवन बना दिया, कभी सोचा ही नहीं था कि मैं ब्रह्माकुमार बनुँगा। आपका (शिवबाबा का) पोत्रा बनुँगा। अहो बाबा प्रजापिता ब्रह्मा मुख द्वारा मुझे अपना बनाया है। कुछ भी तो नहीं जानता था मैं, एकदम भटक गया था। बाबा आप 21 जन्मों के लिए सुख घनेरे देते हो। अकीचार सम्पत्ति देते हो। अहो! मैं कितना सौभाग्यशाली, पदमापदम भाग्यशाली हूँ जो मैं शिवबाबा मनुष्य सृष्टि रूपी वृक्ष बीजरूप बाप के सामने बैठा हूँ। सच में बाबा आपने तो अपना सबकुछ हमारे ऊपर न्यौछावर कर दिया। हे मेरे अव्यक्तमूर्त बाबा अभी ही सुख, शान्ति, पवित्रता, आनन्द, प्रेम, शक्ति और ज्ञान का सच्चा-सच्चा अनुभव होता है, अशरीरीपन का अनुभव होता है, भाग्य का सितारा नजर आता है। भाग्य का सितारा नज़र आता है। कहाँ मिलेगी बाबा ऐसी पालना। सच में, आपकी छत्रछाया में मैं बिल्कुल निश्चिंत हूँ। बाबा मैं आपका पक्का-पक्का वारिस औरों को भी जरुर वारिस बनाऊँगा।

सच में बाबा, बाप का प्यार क्या होता है वह अभी अनुभव होता है। लौकिक में तो कहाँ सच्चा प्यार मिला सारा जीवन सूखा-सूखा ही निकल गया है कितनी मारें भी खाई, दबाव में भी रहे, डर-डर कर सारा जीवन बिता दिया, एकदम निरस जीवन बन गया था। बाबा आपके इस प्यार ने सच में मेरा जीवन बदल दिया। खुशियाँ लौटा दी जीवन हरा भरा हो गा। बाबा आपका यह असीम प्यार सदा ही बरसता रहे, हर पल आपकी छत्रछाया का हाथ मेरे सिर पर रहे।

बाबा! अब मैं आपका आज्ञाकारी, ईमानदार बच्चा बन कर रहुँगा, बाबा! मैं आपका नाम जरुर रोशन करुंगा, यज्ञ रक्षक बन कर रहुँगा। आपकी आशाओं को जरुर पूर्ण करुँगा। आप जैसा मीठा-मीठा बन आपको जरुर प्रत्यक्ष करुँगा।

बाबा के साथ भिन्न-भिन्न
सम्बन्धों का अनुभव करने हेतु कुछ संकल्प...।

बाबा से माँ का सम्बन्ध

अहो, बाबा! आप मेरी माँ भी हो। कितने लाड़-प्यार से आप मेरी पालना करती हो। अहो बाबा माँ बनकर आपने मेरी कमियों-कमजोरियों को अपने अन्दर समा लिया। मैं कितनी पदमापदम भाग्यशाली आत्मा हूँ जो मुझे परमात्म-माँ का प्यार मिला। कमाल हैं ओ मेरी मीठी-मीठी, प्यारी-प्यारी माँ कितना सुख मिलता है, आपके आँचल में। मैं कितना निश्चिंत हूँ आपकी गोदी में। बाबा आप माँ बनकर मुझ पर कितना एहसान कर रही हो आपने मेरे लिये कितना सुखी संसार, दैवी परिवार रचा है। हर दम मुझे आप बाप समान बनाने के लिये मीठी-मीठी शिक्षायें भी देती हो। आत्मा को साफ-सुथरा करके तैयार करके फिर सारे दिन के लिये कहती हो कि अब खाओ-पिओ, पढ़ो और मौज करो। कितना निर्बन्धन बना दिया है मुझ आत्मा को, कमाल है।

अहो मेरी माँ जी सचमुच आपने अपना सर्वस्व मुझ आत्मा पर ही लुटा दिया, ओ माँ आप कितनी प्यारी कितनी मीठी हो। रोज ज्ञान-स्नान कराके दिव्य गुणों से श्रृंगार कराती हो। विजय का तिलक लगाती हो, ब्रह्मा भोजन खिलाती हो, नयनों में छिपाती हो, दिलतख्त में बैठाती हो, लोरी सुनाती हो फिर गोदी में सुलाती हो। कितना असीम प्यार बरसाती हो। वन्डर है सचमुच कमाल है ऐसा प्यार कौन माँ लुटायेगी। माँ मैं आपके प्यार का रिटर्न अवश्य करुँगा जरुर बाप समान बन कर दिखाऊंगा। सदा आपके रुहानी प्यार में ही रहुँगा।

अहो, बाबा माँ बनकर आपने मुझे नया जीवन दे दिया, नया जन्म दिया। कितना श्रेष्ठ जीवन बना दिया। यह सफेद फरिश्ता ड्रेस पहना दी सचमुच पवित्रता से यह नया जन्म कितना ऊंचा बना दिया! यह फरिश्ता ड्रेस, यह ईश्वरीय मैडल, (बैज़) पहना कर धन्य-धन्य कर दिया। दैवी चलन सिखा दी, नये संस्कार भर दिये, कितने ऊंचे श्रेष्ठ संकल्पों का खजाना दे दिया। सच में बाबा कौड़ी तुल्य था वह पुराना जीवन। क्या था मैं, क्या से क्या बना दिया आपने। सच में बाबा यह दिल गा उठा है वाह रे मैं; वाह रे मेरा भाग्य; वाह मेरा अति प्यारा, अति मीठा मेरी जान बाबा। और यह ब्राह्मण परिवार। बाबा, माँ बनकर आपने मुझे उठना-बैठना, बोलना-चलना, मुस्कराना सिखा दिया। कितना स्वच्छ जीवन बना दिया, कुछ भी तो नहीं जानता था मैं। सच में रुहानी मुस्कराहट सिखा दी। अहो मैं कितना पदमापदम सौभाग्यशाली हूँ स्वयं भगवान माँ बन कर मुझे अपना असीम प्यार लुटा रही है। कहाँ मिलेगा यह अतीन्द्रिय सुख! वाह मेरी माँ, वाह!

आपकी आशाओं को जरुर पूर्ण करुँगा। मैं आपका पक्का-पक्का निश्चय बुद्धि बच्चा बन कर रहुँगा। माँ मैं आपको वा बाप को जरुर प्रत्यक्ष करुँगा।